अध्याय–चतुर्थ
(विश्लेषण, व्याख्या एवं परिणाम कथन)

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ता द्वारा कुल छह शून्य परिकल्पना बनाई गयी तथा इन परिकल्पनाओं की सार्थकता 0.01 स्तर एवं 0.05 स्तर पर देखी गई । इस अध्याय में सर्वप्रथम परिकल्पनाओं के अनुसार कुल विद्यार्थियों की लेखन त्रुटियाँ कुल विद्यार्थियों की संख्या (N) से भाग देकर जो प्रतिफल आया वह उसका मध्यमान (M) निकलकर आया । इस प्रकार क्रमशः मानक विचलन (S.D.) मानक त्रुटियाँ (S.E.) स्वतंत्रता की कोटी (D.F.) टी (t) का मान, सार्थक अन्तर इन सभी सांख्यिकीय प्रविधियों का उपयोग किया गया ।

सांख्यिकीय प्रविधियों के विश्लेषण के बाद शोधकर्ता द्वारा चयनित त्रुटियों की परिकल्पना के आधार पर, त्रुटियों की व्याख्या की गई । त्रुटियों की व्याख्या करते समय ज्यादातर मात्रात्मक, बिन्दुगत, विराम चिह्नों, नुक्ता, योजक चिह्न आदि त्रुटियों पर ज्यादा ध्यान दिया गया ।

विवेचना के सम्बन्ध में करलिंगर ने कहा है कि, – विवेचना के अन्तर्गत प्राप्त सम्बन्धों के तर्क संगतिता के आधार पर अनुमान लगाये जाते हैं तथा अध्ययन से सम्बन्धित सम्बन्धों के प्रति निष्कर्ष किये जाते हैं ।''

परिकल्पना क्रमांक –1

''हिन्दी भाषी क्षेत्र के शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के बीच लेखन त्रुटियों में सार्थक अन्तर नहीं है।''

हिन्दी भाषी क्षेत्र के शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों की लेखन त्रुटियाँ तालिका क्रमांक–1 में दिखाई गई हैं ।

तालिका क्रमांक –1

हिन्दी भाषी विद्यार्थियों की त्रुटियाँ

क्रमांक	शहरी विद्यार्थी		ग्रामीण विद्यार्थी	
	छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ
1.	63	70	56	73
2.	58	65	98	94
3.	115	78	94	110
4.	109	57	105	116
5.	129	103	94	89
6.	123	82	115	93
7.	118	80	117	91
8.	96	113	190	87
9.	108	118	135	93
10.	99	109	130	87
11.	130	99	128	92
12.	85	130	120	103
13.	89	122	129	67
14.	104	80	138	117
15.	95	119	108	98
16.	124	125	125	73
17.	76	109	99	113
18.	78	93	100	109
19.	88	64	34	100
20.	98	70	33	96
योग	1985	1886	2148	1901
मध्यमान	99.25	94.30	107.40	95.05

तालिका क्रमांक–1 में स्पष्ट है कि हिन्दी भाषी क्षेत्र के 40 शहरी विद्यार्थियों की कुल लेखन

त्रुटियाँ 3 हजार 871 हैं जिसका मध्यमान 96.78 है, जिसमें शहरी 20 छात्र द्वारा कुल 1 हजार 985 लेखन त्रुटियाँ की हैं जिसका मध्यमान 99.25 हैं । शहरी 20 छात्राओं की कुल लेखन त्रुटियाँ 1 हजार 886 हैं, मध्यमान 94.30 है । शहरी विद्यार्थियों में से छात्रों की छात्राओं के अपेक्षा 99 लेखन त्रुटियाँ अधिक हैं ।

हिन्दी भाषी क्षेत्र के कुल 40 ग्रामीण विद्यार्थियों की कुल लेखन त्रुटियाँ 4 हजार 49 हैं इसका मध्यमान 101.23 है । ग्रामीण विद्यार्थियों में से 20 छात्र द्वारा की गई लेखन त्रुटियाँ 2 हजार 148 हैं इसका मध्यमान 107.40 है । ग्रामीण 20 छात्राओं द्वारा की गई कुल लेखन त्रुटियाँ 1 हजार 901 है इसका मध्यमान 95.05 है । ग्रामीण छात्राओं की अपेक्षा छात्रों की 247 लेखन त्रुटियाँ अधिक हैं । अतः स्पष्ट है कि, शहरी छात्रों की अपेक्षा ग्रामीण छात्रों की 163 लेखन त्रुटियाँ अधिक है तथा शहरी छात्राओं की अपेक्षा ग्रामीण छात्राओं की 15 लेखन त्रुटियाँ अधिक हैं ।

निम्नलिखित तालिका में हिन्दी भाषी क्षेत्र के शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के बीच लेखन त्रुटियों की तुलना की गई है –

तालिका क्रमांक–2

स्थान	विद्यार्थी (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	मानक त्रुटियाँ (S.E.)	स्वतंत्रता की कोटी (d.f)	टी का मान (t)	सार्थक अन्तर 0.05
हिन्दी शहरी	40	96.78	21.92	3.47	78	0.79	नहीं हैं
हिन्दी ग्रामीण	40	101.23	27.70	4.38			

तालिका क्र.–2 से स्पष्ट होता है कि, हिन्दी भाषी क्षेत्र के कुल 80 विद्यार्थी हैं । जिसमें शहरी 40 विद्यार्थियों का मध्यमान (M) 96.78, मानक विचलन (S.D.) 21.92, मानक त्रुटियाँ (S.E.) 3.47 एवं ग्रामीण 40 विद्यार्थियों (N) का मध्यमान (M) 101.23, मानक विचलन (M) 27.70 मानक त्रुटिया (S.E.) 4.38, दोनों की स्वतंत्रता कोटी (d.f.) 78, तालिका में ''टी'' का मान 0.79 है जो कि टेबल मूल्य से कम है, इसलिए हिन्दी भाषी क्षेत्र के शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के बीच लेखन त्रुटियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है । अतः परिकल्पना स्वीकार की जाती है ।

परिकल्पना क्रमांक–2

"अहिन्दी भाषी क्षेत्र के शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के बीच लेखन त्रुटियों में सार्थक अन्तर नहीं है ।"

अहिन्दी भाषी क्षेत्र के शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों की लेखन त्रुटियाँ तालिका–3 में दिखाई गई हैं ।

तालिका क्रमांक–3

"अहिन्दी भाषी विद्यार्थियों की त्रुटियाँ"

क्रमांक	शहरी विद्यार्थी		ग्रामीण विद्यार्थी	
	छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ
1	71	86	92	109
2	69	79	75	83
3.	97	138	85	76
4.	83	99	95	70
5	91	182	109	69
6.	90	80	103	188
7.	98	188	109	76
8.	63	96	98	77
9.	72	102	127	108
10.	55	77	102	120
11	100	133	90	119
12	91	105	85	128
13	78	78	95	102
14	87	97	72	123
15	98	79	67	78
16	104	67	57	108
17	62	102	55	104
18	82	58	88	56
19	95	101	72	67
20	182	109	37	98
योग	1768	2056	1713	1959
मध्यमान	88.4	102.8	85.65	97.95

तालिका क्रमांक–3 में स्पष्ट है कि, अहिन्दी भाषी क्षेत्र के शहरी एवं ग्रामीण कुल 80 विद्यार्थी हैं जिनका लेखन त्रुटियाँ 7 हजार 496, तथा मध्यमान 93.70 है । अहिन्दी शहरी 40

विद्यार्थियों की कुल लेखन त्रुटियाँ 3 हजार 824, तथा मध्यमान 95.60 है । 40 शहरी विद्यार्थियों में 20 छात्र तथा 20 छात्राएँ है । छात्रों की कुल लेखन त्रुटियाँ 1 हजार 768, मध्यमान 88.4 है तथा 20 शहरी छात्राओं की लेखन त्रुटियाँ 2 हजार 56, मध्यमान 102.8 है । शहरी छात्रों की अपेक्षा छात्राओं की 288 लेखन त्रुटियाँ अधिक हैं ।

अहिन्दी भाषी क्षेत्र के ग्रामीण विद्यार्थियों की संख्या 40 है उनके द्वज्ञरा की गई कुल लेखन त्रुटियाँ उनके द्वारा की गई कुल लेखन त्रुटियाँ 3 हजार 672, जिनका मध्यमान 91.80 है। 40 ग्रामीण विद्यार्थियों में से 20 छात्र तथा 20 छात्राएँ है । 20 छात्रों के द्वारा की गई लेखन त्रुटियाँ 1 हजार 713 है, मध्यमान 85.65 है तथा छात्राओं द्वारा की गई लेखन त्रुटियाँ 1 हजार 959, मध्यमान 97.95 है । अहिन्दी भाषी ग्रामीण छात्रों के अपेक्षा छात्राओं की लेखन त्रुटियाँ 246 अधिक हैं । अहिन्दी भाषी क्षेत्र के शहरी एवं ग्रामीण छात्रों में ग्रामीण छात्रों के अपेक्षा शहरी छात्रों की 55 लेखन त्रुटियाँ अधिक हैं । अहिन्दी भाषी शहरी एवं ग्रामीण छात्राओं में शहरी छात्राओं की ग्रामीण छात्राओं की अपेक्षा 97 लेखन त्रुटियाँ अधिक हैं ।

निम्नलिखित तालिका में अहिन्दी भाषी क्षेत्र के शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के बीच लेखन त्रुटियों की तुलना की गई है ।

तालिका क्रमांक–4

स्थान	विद्यार्थी (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	मानक त्रुटियाँ (S.E.)	स्वतंत्रता की कोटी (d.f)	टी का मान (t)	सार्थक अन्तर 0.05
अहिन्दी शहरी	40	95.6	30.99	4.89	78	0.59	नहीं हैं
अहिन्दी ग्रामीण	40	91.8	26.57	4.2			

तालिका क्रमांक–4 में स्पष्ट है कि, अहिन्दी भाषी क्षेत्र में कुल मिलाकर 80 विद्यार्थियों में से 40 विद्यार्थी शहरी है, जिनका मध्यमान (M) 95.6, मानक विचलन (S.D.) 30.99, मानक त्रुटियाँ (S.E.) 4.89 एवं ग्रामीण विद्यार्थियों 40 हैं । जिनका मध्यमान (M) 91.8, मानक विचलन (S.D. 26.57 मानक त्रुटिया (S.E.) 4.2, । दोनों स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) 78, तालिका–2 में ''टी'' का मान 0.59 है, जो कि टेबल मूल्य से कम है, इसलिए हिन्दी भाषी क्षेत्र के शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के बीच लेखन त्रुटियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है । अतः परिकल्पना स्वीकार की जाती है ।

परिकल्पना–3

"हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी क्षेत्र के शहरी विद्यार्थियों के बीच लेखन त्रुटियों में सार्थक अन्तर नहीं है ।"

हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी क्षेत्र के शहरी विद्यार्थियों की लेखन त्रुटियों की तालिका क्रमांक–5 में दिखाई गई हैं ।

तालिका क्रमांक–5

"हिन्दी तथा अहिन्दी शहरी विद्यार्थियों की त्रुटियाँ"

क्रमांक	हिन्दी शहरी		अहिन्दी शहरी	
	छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्र
1	63	70	71	86
2	58	65	69	79
3	115	78	97	138
4	109	57	83	99
5	129	103	91	182
6	123	82	90	80
7	118	80	98	188
8	96	113	63	96
9	108	118	72	102
10	99	109	55	77
11	130	99	100	133
12	85	130	91	105
13	89	122	78	78
14	104	80	87	97
15	95	119	98	79
16	124	125	104	67
17	76	109	62	102
18	78	93	82	58
19	88	64	95	101
20	98	70	182	109
योग	1985	1886	1768	2056
मध्यमान	99.25	94.30	88.4	102.8

तालिका क्रमांक–5 में स्पष्ट है कि, हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी शहरी विद्यार्थियों की संख्या (N) 80 है, इनके द्वारा की गई लेखन त्रुटियाँ कुल 7 हजार 695, मध्यमान (M) 96. 19 है । जिसमें हिन्दी भाषी शहरी विद्यार्थी संख्या 40 है, इनके द्वारा की गई लेखन त्रुटियाँ 3 हजार 871, मध्यमान 96.77 है । इसमें 20 हिन्दी भाषी शहरी छात्र तथा 20 छात्राएँ है । छात्रों द्वारा की गई कुल त्रुटियाँ 1 हजार 985, मध्यमान 99.25, छात्राओं द्वारा की गई लेखन त्रुटिया. 1 हजार 886,

मध्यमान 94.30 है । हिन्दी भाषी शहरी छात्राओं की अपेक्षा छात्रों की लेखन त्रुटियाँ 99 अधिक हैं।

अहिन्दी भाषी शहरी 40 विद्यार्थी है इनके द्वारा की गई लेखन त्रुटियाँ 3 हजार 824, मध्यमान 95.6 है जिसमें से 20 छात्रों की लेखन त्रुटियाँ 1 हजार 768, मध्यमान 88.4 तथा 20 छात्राओं की लेखन त्रुटियाँ 2 हजार 56, मध्यमान 102.8 है । अहिन्दी भाषी शहरी छात्रों की अपेक्षा छात्राओं की 291 लेखन त्रुटियाँ अधिक है । हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी शहरी छात्रों की अपेक्षा छात्राओं की लेखन त्रुटियाँ 189 से अधिक हैं ।

निम्नलिखित तालिका में हिन्दी तथा अहिन्दी शहरी विद्यार्थियों के बीच लेखन त्रुटियों की तुलना की गई है ।

तालिका क्रमांक–6

स्थान	विद्यार्थी (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	मानक त्रुटियाँ (S.E.)	स्वतंत्रता की कोटी (d.f)	टी का मान (t)	सार्थक अन्तर 0.05
अहिन्दी शहरी	40	96.78	21.92	3.47	78	.196	नहीं हैं
अहिन्दी ग्रामीण	40	95.6	30.99	4.89			

तालिका क्रमांक–6 में स्पष्ट है कि, हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी शहरी विद्यार्थी 80 है। जिसमें 40 हिन्दी भाषी शहरी विद्यार्थियों (N) का मध्यमान 96.78, मानक विचलन (S.D.)21.92, मानक त्रुटियाँ (S.E.) 3.47 तथा अहिन्दी भाषी शहरी विद्यार्थी(N) 40 का मध्यमान (M) 95.6, मानक विचलन (S.D.) 30.99 मानक त्रुटिया (S.E.) 4.89, । दोनों स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) 78, तालिका–6 में ''टी'' का मान .196 है, जो कि टेबल मूल्य से कम है, इसलिए हिन्दी भाषी अहिन्दी भाषी शहरी विद्यार्थियों के बीच लेखन त्रुटियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है । अतः परिकल्पना स्वीकार की जाती है ।

परिकल्पना क्रमांक–4

''हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी क्षेत्र के ग्रामीण विद्यार्थियों के बीच लेखन त्रुटियों में सार्थक अन्तर नहीं है ।''

हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी क्षेत्र के ग्रामीण विद्यार्थियों की लेखन त्रुटियाँ तालिका क्रमांक–7 में दिखाई गई है ।

तालिका क्रमांक–7

"हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी ग्रामीण विद्यार्थियों की त्रुटियाँ

क्रमांक	हिन्दी ग्रामीण		अहिन्दी ग्रामीण	
	छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ
1.	56	73	92	109
2.	98	94	75	83
3.	94	110	85	76
4.	105	116	95	70
5.	94	89	109	69
6.	115	93	103	188
7.	117	91	109	76
8.	190	87	98	77
9.	135	93	127	108
10.	130	87	102	120
11.	128	92	90	119
12.	120	103	85	128
13.	129	67	95	102
14.	138	117	72	123
15.	108	98	67	78
16.	125	73	57	108
17.	99	113	55	104
18.	100	109	88	56
19.	34	100	72	67
20.	33	96	37	98
योग	2148	1901	1713	1959
मध्यमान	107.40	95.05	85.65	97.95

तालिका क्रमांक–7 में स्पष्ट है कि हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी ग्रामीण विद्यार्थियों की संख्या (N) 80 है की लेखन त्रुटिया कुल 7 हजार 721, मध्यमान (M) 96.52 है । जिसमें हिन्दी भाषी ग्रामीण विद्यार्थी संख्या 40 है, जिनके द्वारा की गई लेखन त्रुटियाँ 4 हजार 49 है,,

मध्यमान 101.23 है । जिसमें 20 हिन्दी भाषी ग्रामीण छात्र तथा 20 छात्राएँ है । छात्रों द्वारा की गई कुल त्रुटियाँ 2 हजार 148, मध्यमान 107.40, है तथा 20 छात्राओं द्वारा की गई लेखन त्रुटिया. 1 हजार 901, मध्यमान 95.05 है । हिन्दी भाषी ग्रामीण छात्राओं की अपेक्षा छात्रों की 247 लेखन त्रुटियाँ अधिक है ।

अहिन्दी भाषी ग्रामीण विद्यार्थी संख्या (N) 40 है । उनके द्वारा लेखन त्रुटियाँ 3 हजार 672, मध्यमान 91.8 जिसमें 20 छात्रों (N) की लेखन त्रुटियाँ 1 हजार 713, मध्यमान (M) 85.65 तथा 20 छात्राओं (N) के द्वारा की गई लोन त्रुटिया 1 हजार 959 मध्यमान (M) 97.95 है । अहिन्दी भाषी ग्रामीण छात्रों की अपेक्षा छात्राओं की लेखन त्रुटियाँ 246 अधिक है तथा अहिन्दी भाषी ग्रामीण छात्रों की अपेक्षा हिन्दी भाषी छात्रों की 435 लेखन त्रुटियाँ अधिक हैं । अहिन्दी भाषी छात्राओं की हिन्दी छात्राओं के अपेक्षा 58 लेखन त्रुटियाँ अधिक हैं ।

निम्नलिखित तालिका में हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी ग्रामीण विद्यार्थियों के बीच लेखन त्रुटियों की तुलना की गई है ।

तालिका क्रमांक–8

स्थान	विद्यार्थी (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	मानक त्रुटियाँ (S.E.)	स्वतंत्रता की कोटी (d.f)	टी का मान (t)	सार्थक अन्तर 0.05
हिन्दी ग्रामीण	40	101.23	27.7	4.38	78	1.55	नहीं हैं
अहिन्दी ग्रामीण	40	91.8	26.57	4.2			

तालिका क्रमांक–8 में स्पष्ट है कि, हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी ग्रामीण विद्यार्थी 80 है। जिसमें 40 हिन्दी भाषी शहरी विद्यार्थियों (N) का मध्यमान (M) 101.23, मानक विचलन (S.D.) 27.7, मानक त्रुटियाँ (S.E.) 4.38 तथा अहिन्दी भाषी ग्रामीण विद्यार्थी (N) 40 का मध्यमान (M) 91.8, मानक विचलन (S.D.) 26.57 मानक त्रुटिया (S.E.) 4.2 तथा अहिन्दी ग्रामीण विद्यार्थियों का स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) 78, तालिका में ''टी'' का मान 1.55 दिया है, टी तालिका के मूल्य से टी का मान कम है, इसलिए हिन्दी भाषी अहिन्दी भाषी ग्रामीण विद्यार्थियों के बीच लेखन त्रुटियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है । अतः परिकल्पना स्वीकार की जाती है ।

परिकल्पना–5

"हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी छात्रों के बीच लेखन त्रुटियों में सार्थक अन्तर नहीं है ।"

हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी छात्रों की लेखन त्रुटियाँ तालिका क्रमांक–9 में दिखाई गई है ।

तालिका क्रमांक–9

"हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी छात्रों की त्रुटियाँ"

क्रमांक	हिन्दी भाषी छात्र		अहिन्दी भाषी छात्र	
	शहरी छात्र	ग्रामीण छात्र	शहरी छात्र	ग्रामीण छात्र
1.	63	56	71	92
2.	58	98	69	75
3.	115	94	97	85
4.	109	105	83	95
5.	129	94	91	109
6.	123	115	90	103
7.	118	117	98	109
8.	96	190	63	98
9.	108	135	72	127
10.	99	130	55	102
11.	130	128	100	90
12.	85	120	91	85
13.	89	129	78	95
14.	104	138	87	72
15.	95	108	98	67
16.	124	125	104	57
17.	96	99	62	55
18.	78	100	82	88
19.	88	34	95	72
20.	98	33	182	37
योग	1985	2148	1768	1713
मध्यमान	99.25	107.40	88.4	85.65

तालिका क्रमांक–9 में स्पष्ट है कि, हिन्दी भाषी क्षेत्र के ग्रामीण एवं शहरी छात्रों की संख्या (N) 40 है जिनके द्वारा की लेखन त्रुटियाँ कुल कुल 4 हजार 133 तथा मध्यमान (M) 103.

33 है । जिसमें 20 हिन्दी भाषी शहरी एवं 2. हिन्दी भाषी ग्रामीण है । हिन्दी भाषी शहरी 2. छात्रों की लेखन त्रुटियाँ 1 हजार 985 मध्यमान 99.25 है तथा हिन्दी भाषी ग्रामीण 20 छात्रों की लेखन त्रुटियाँ 2 हजार 148, मध्यमान 107.40 है । हिन्दी भाषी शहरी छात्रों की अपेक्षा ग्रामीण छात्रों द्वारा की गई लेखन त्रुटियाँ 163 अधिक है ।

अहिन्दी भाषी क्षेत्र के शहरी एवं ग्रामीण छात्रा संख्या (N) 40 है । जिनकी कुल लेखन त्रुटिया त्रुटियाँ 3 हजार 481,, मध्यमान 87.02 जिसमें इसमें अहिन्दी भाषी शहरी 20 द्वारा के द्वारा की गई लेखन त्रुटियाँ 1 हजार 985, मध्यमान 88.4 तथा ग्रामीण छात्रों की संख्या (N) 20 इनके द्वारा की गई लेखन त्रुटियाँ 1 हजार 713, मध्यमान (M) 85.65 । अहिन्दी भाषी ग्रामीण छात्रों के अपेक्षा शहरी छात्रों की 55 लेखन त्रुटियाँ अधिक है । अहिन्दी भाषी छात्रों की अपेक्षा हिन्दी छात्रों के द्वारा की गई 652 लेखन त्रुटियाँ अधिक है । अहिन्दी भाषी शहरी छात्रों से हिन्दी भाषी शहरी छात्रों की 217 लेखन त्रुटियाँ अधिक है । अहिन्दी भाषी ग्रामीण छात्रों से हिन्दी भाषी ग्रामीण छात्रों से हिन्दी भाषी ग्रामीण छात्रों की 435 लेखन त्रुटियाँ ज्यादा है ।

निम्नलिखित तालिका में हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी छात्रों के बीच लेखन त्रुटियों की तुलना की गई है ।

तालिका क्रमांक–10

स्थान	विद्यार्थी (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	मानक त्रुटियाँ (S.E.)	स्वतंत्रता की कोटी (d.f)	टी का मान (t)	सार्थक अन्तर 0.05
हिन्दी छात्र	40	103.33	29.36	4.64	78	2.73	नहीं हैं
अहिन्दी छात्र	40	87.03	23.67	3.74			

तालिका क्रमांक–10 में स्पष्ट है कि, हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी क्षेत्र के कुल 80 छात्र तथा इनके द्वारा की गई लेखन त्रुटियाँ 7 हजार 614 है इसका मध्यमान (M) 95.18 है, जिसमें हिन्दी भाषी छात्रों की संख्या (N) 40, मध्यमान (M) 103.33, मानक विचलन (S.D.) 29.36, मानक त्रुटियाँ (S.E.) 4.64 तथा अहिन्दी भाषी छात्रों की संख्या (N) 40 का मध्यमान (M) 87.03, मानक विचलन (S.D.) 23.67, मानक त्रुटिया (S.E.) 3.74 है । हिन्दी एवं अहिन्दी भाषी छात्रों का स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) 78, तालिका क्र. :5 में ''टी'' का मान 0.01 विश्वास के स्तर पर टी टेबल मल्य से ज्यादा है । परिणाम हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी छात्रों के बीच लेखन त्रुटियों में सार्थक है।

अतः परिकल्पना स्वीकार की जाती है ।

परिकल्पना क्रमांक–6

''हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी छात्राओं के बीच लेखन त्रुटियों में सार्थक अन्तर नहीं है ।''

हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी छात्राओं की लेखन त्रुटियाँ तालिका क्रमांक–11 में दिखाई गई है ।

तालिका क्रमांक–11

''हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी छात्राओं की त्रुटियाँ''

क्रमांक	हिन्दी भाषी छात्राएँ		अहिन्दी भाषी छात्राएँ	
	शहरी छात्राएँ	ग्रामीण छात्राएँ	शहरी छात्राएँ	ग्रामीण छात्राएँ
1.	70	73	86	109
2.	65	94	79	83
3.	78	110	138	76
4.	57	116	99	70
5.	103	89	182	69
6.	82	93	80	188
7.	80	91	188	76
8.	113	87	96	77
9.	118	93	102	108
10.	109	87	77	120
11.	99	92	133	119
12.	130	103	105	128
13.	122	67	78	102
14.	80	117	97	123
15.	119	98	79	78
16.	125	73	67	108
17.	109	113	102	104
18.	93	109	58	56
19.	64	100	101	67
20.	70	96	109	98

द्वारा की गई लेखन त्रुटियाँ 7 हजार 802, मध्यमान (M) 97.56 है । हिन्दी भाषी क्षेत्र के शहरी एवं ग्रामीण 40 छात्राओं द्वारा की गई लेखन त्रुटियाँ 3 हजार 787, तथा मध्यमान (M) 94.68 है तथा जिसमें 40 अहिन्दी भाषी शहरी एवं ग्रामीण छात्रओं द्वारा की गई 4 हजार 15 लेखन त्रुटियाँ मध्यमान 100.38 है ।

हिन्दी भाषी शहरी एवं ग्रामीण छात्राओं की संख्या 20 है । हिन्दी भाषी शहरी एवं 20 छात्राएँ ग्रामीण है । हिन्दी भाषी शहरी 20 छात्राओं द्वारा की गई लेखन त्रुटियाँ 1 हजार 886, ,मध्यमान (M) 94.30 तथा हिन्दी ग्रामीण छात्रओं द्वारा 1 हजार 901 लेखन त्रुटियाँ हुई, मध्यमान 95.05 है । हिन्दी भाषी शहरी छात्राओं की अपेक्षा ग्रामीण छात्राओं की 15 लेखन त्रुटियाँ अधिक है । अहिन्दी भाषी शहरी एवं ग्रमीण 40 छात्राओं द्वारा की गई लेखन त्रुटियाँ 4 हजार 15 है, मध्यमान 100.38 है । अहिन्दी भाषी शहरी 20 छात्राओं द्वारा 2 हजार 56, लेखन त्रुटियाँ हुई, मध्यमान 102.8 तथा अहिन्दी भाषी ग्रामीण 20 छात्राओं द्वारा 1 हजार 959 लेखन त्रुटियाँ हुई मध्यमान 97. 95 है। अहिन्दी भाषी शहरी छात्राओं की अपेक्षा ग्रामीण छात्राओं की 191 लेखन त्रुटियाँ अधिक हैं।

निम्नलिखित तालिका में हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी छात्राओं के बीच लेखन त्रुटियों की तुलना की गई है ।

तालिका क्रमांक–12

स्थान	विद्यार्थी (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	मानक त्रुटियाँ (S.E.)	स्वतंत्रता की कोटी (d.f)	टी का मान (t)	सार्थक अन्तर 0.05
हिन्दी छात्राएँ	40	94.68	18.9	2.99	78	0.97	नहीं हैं
अहिन्दी छात्राएँ	40	100.38	31.97	5.06			

तालिका क्रमांक–12 में स्पष्ट है कि, हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी क्षेत्र के कुल 80 है इसमें हिन्दी भाषी शहरी एवं ग्रामीण कुल 40 छात्राएँ, मध्यमान (M) 94.68 है, मानक विचलन (S.D.) 18.9, मानक त्रुटियाँ (S.E.) 2.99 तथा अहिन्दी भाषी शहरी एवं ग्रामीण छात्राओं की संख्या (N) 40 का मध्यमान (M) 100.38, मानक विचलन (S.D.) 31.97, मानक त्रुटिया (S.E.) 5.06 है। दोनों की स्वतंत्रता की कोटी (d.f.) 78, तालिका में ''टी'' का मान 0.97 दिया है जो टी टेबल मूल्य से कम है । इसलिए हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी छात्राओं के बीच लेखन त्रुटियों में सार्थक अन्तर नहीं है । अतः परिकल्पना स्वीकार की जाती है ।